

AstroHelpDesk



अतीत और वर्तमान

Review Demo

शनि - गुरु - बुध

सिंह · कुंभ

15 जून 1990 · 10:30 · Jaipur, India

आपका निजी संस्करण

सरल शब्द · तारीखें · आधार

काल्पनिक नमूना · उदाहरण के जन्म विवरण

आपकी रिपोर्ट एक नज़र में

Review Demo · 17 अक्टू 2026 · Jaipur, India

पाँच जीवन क्षेत्र · जन्म कुंडली का सहयोग

सर्वाष्टकवर्ग मूल राशि-सहयोग का योग है। यह व्यक्ति का मूल्य या घटना की संभावना नहीं है।

इस संस्करण की चल रही दशा

शनि – गुरु – बुध

फलादेश के साथ रखने योग्य तीन सावधानियाँ

- 1. अपनी याद से तुलना करने से पहले दर्ज जन्म विवरण जाँचें। जन्म समय बदलने से भाव-आधारित अर्थ बदल सकता है।
- 2. बचपन के हिस्सों का संबंध परिवार, पढ़ाई और देखभाल से है। वयस्क दौर में उसी ग्रह का अर्थ अलग पढ़ें।
- 3. उसी घटना से दौर का मेल देखें जो आपको सच में याद है। अध्याय परंपरागत व्याख्या देता है; इससे घटित घटना सिद्ध नहीं होती।

काल्पनिक नमूना · उदाहरण के जन्म विवरण

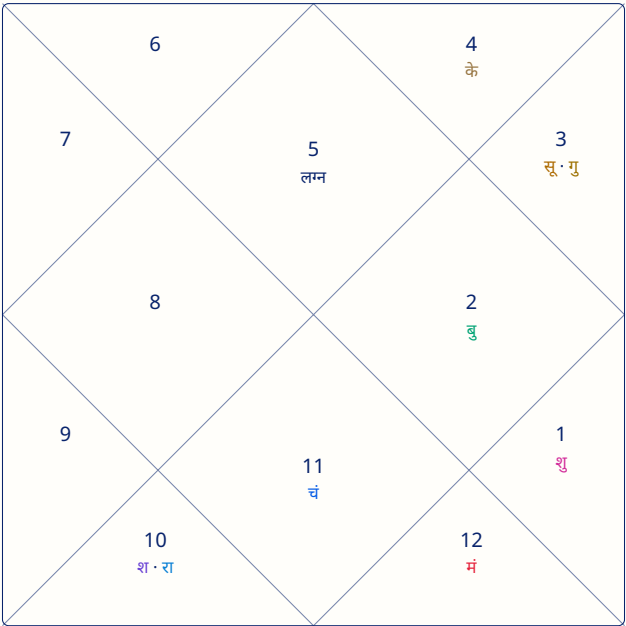
आपका फलादेश एक नज़र में

मुख्य ध्यान

12 सित 2026 – 21 जन 2027 (उम्र 36): बुध के कारण पेशे की जिम्मेदारियों आपके फैसलों में प्रमुख रह सकता है। वृषभ में इसकी स्थिति इस छोटे चरण को उस क्षेत्र की आपकी जिम्मेदारियों से जोड़ती है।

मौजूदा दशा

शनि – गुरु – बुध



जन्म विवरण: 15 जून 1990 · 10:30 · Jaipur, India

जीवन के दौर · महादशा समयरेखा

राहु	गुरु	शनि
1990	1999	2008
		2017
		2026

ये परंपरागत वैदिक फलादेश हैं, गारंटी नहीं।

अब तक आपकी कहानी • निःशुल्क

12 सित 2026 – 21 जन 2027 (उम्र 36): बुध के कारण पेशे की जिम्मेदारियों आपके फैसलों में प्रमुख रह सकता है। वृषभ में इसकी स्थिति इस छोटे चरण को उस क्षेत्र की आपकी जिम्मेदारियों से जोड़ती है।

आपकी कहानी के मुख्य मोड़

शुरुआती बचपन • उम्र 0–4

गुरु • महादशा • 15 जून 1995 – 29 जून 2009

29 जून 1993 – 29 जून 2009 (उम्र 3–19) में गुरु के कारण मित्रों और संपर्कों आपके फैसलों की पृष्ठभूमि में प्रमुख रहा हो सकता है, क्योंकि जन्मकुंडली में यह उसी क्षेत्र में है। इन तारीखों से मेल खाने वाली जिम्मेदारी, मदद या बदलाव याद करें और नीचे की छोटी अवधियों को अपने अनुभव से जाँचें।

शनि • महादशा • 29 जून 2009 – 17 अक्टू 2026

29 जून 2009 – 17 अक्टू 2026 (उम्र 19–36) में शनि के कारण रोजमर्रा के काम आपके फैसलों की पृष्ठभूमि में प्रमुख रहा हो सकता है, क्योंकि जन्मकुंडली में यह उसी क्षेत्र में है। इन तारीखों से मेल खाने वाली जिम्मेदारी, मदद या बदलाव याद करें और नीचे की छोटी अवधियों को अपने अनुभव से जाँचें।

अभी आपका चल रहा अध्याय

12 सित 2026 – 21 जन 2027 (उम्र 36): बुध के कारण पेशे की जिम्मेदारियों आपके फैसलों में प्रमुख रह सकता है। वृषभ में इसकी स्थिति इस छोटे चरण को उस क्षेत्र की आपकी जिम्मेदारियों से जोड़ती है।

अभी आपके लिए उपाय

ये स्वैच्छिक सहायक अभ्यास हैं, गारंटी नहीं। ऐसा छोटा अभ्यास चुनें जिसे निभा सकें। AstroHelpDesk से खरीद या उसे दान देना जरूरी नहीं है।

शनि · शांति के उपाय; अपने-आप बल न बढ़ाएँ

रोजमर्रा

एक छोटा कर्तव्य स्थिर गति से करें और आराम की वास्तविक गुंजाइश रखें।

वैदिक परंपरा

गुरु · मिश्रित स्वामित्व · पहले विशेषज्ञ से जाँच

रोजमर्रा

अच्छा सवाल पूछें, सलाह का कारण परखें और उपयोगी ज्ञान बाँटें।

वैदिक परंपरा

सामान्य स्वैच्छिक अभ्यास के लिए परंपरागत नवग्रह स्तोत्र चुन सकते हैं। अपनी परंपरा में सिखाया पाठ अपनाएँ; निश्चित फल का वादा न जोड़ें।

खरीदने से पहले ज्योतिषी से सलाह लें; स्वीकृति मिलने पर तीन दिन आजमाएँ और अस्वस्थ लगने या स्थिति बिगड़ने पर रोक दें। आकार से अधिक किफ़ायती गुणवत्ता और आराम चुनें; केवल शरीर के वजन से प्रभावी कैरेट तय नहीं होते। रत्न वैकल्पिक हैं और AstroHelpDesk रत्न नहीं बेचता।

स्वास्थ्य, कानूनी या धन संबंधी फैसलों के लिए संबंधित योग्य पेशेवर से सलाह लें। मंत्र, दान या रत्न उस सलाह का विकल्प नहीं हैं।

आपके लिए प्रार्थना की एक परंपरा

आपकी कुंडली में सूर्य के माध्यम से शिव / राम स्वैच्छिक प्रार्थना के पारंपरिक केंद्र हैं। अपने विश्वासों के अनुरूप सहज अभ्यास चुनें।

यदि परिवार में कुलदेवता की परंपरा है तो बड़ों द्वारा पूजे जाने वाले कुलदेवता को पहले मानें। अपनी परंपरा में कुछ शांत मिनट प्रार्थना या मनन भी रख सकते हैं।

सरल दैनिक अभ्यास: सुबह की सामान्य दिनचर्या के बाद शांत बैठें, अपनी परंपरा के अनुकूल हो तो शिव / राम का स्मरण करें और दिन के लिए एक सद्भावपूर्ण काम चुनें।

धर्म देवता की जाँच में चंद्र से कृष्ण / पार्वती का संबंध जीवन के उद्देश्य से जुड़ता है। अलग जन्म-कुंडली तुलना में मंगल से हनुमान / कार्तिकेय / नरसिंह का संकेत मिलता है।

ज्योतिषी दृष्टि · गणना के चरण

सात शास्त्रीय ग्रहों के राशि-अंतर्गत अंशों की तुलना; प्रार्थना स्थान में मौजूद सभी ग्रह शामिल।

अध्याय 6

जीवन में बीते शनि चरण

वक्री वापसी से विराम के बाद वही चरण लौट सकता है। एक ही चरण की वापसी एक पंक्ति में है; तुलना के लिए हर अलग अवधि की असली तारीख सुरक्षित है। कम उम्र में स्वतंत्र निर्णय की अपेक्षा घर बदलना या माता-पिता की परिस्थिति उस दौर को बेहतर दिखा सकती है। बाद के चरण काम, पढ़ाई, परिवार के धन और मिले सहयोग से आसानी से मिलाए जा सकते हैं।

पाठ को जाँचने योग्य बनाएँ

तीन ऐसे दौर चुनें जो साफ याद हों और घटना की लगभग तारीख संबंधित पंक्ति के पास रखें। अपनी याद और बाद में सुनी पारिवारिक बात अलग रखें। उपलब्ध स्कूल के कागज, काम का समझौता, यात्रा दस्तावेज और पुराने कैलेंडर लें। दौर का विषय बड़ी घटना के साथ जिम्मेदारी बदलने से भी दिख सकता है। जो हुआ उसका सरल वर्णन लिखें: कौन जुड़ा था, क्या बदला और असर कितने समय रहा। उपयोगी तुलना छपे विषय और पक्की की जा सकने वाली परिस्थिति की है। कोई पंक्ति असंबंधित लगे तो उसे भी ईमानदारी से लिखें। मिले और अलग पड़े दोनों अनुभव होने पर आपकी समीक्षा अधिक उपयोगी बनती है।

उम्र और परिस्थिति साथ रखें

एक ही ग्रह छह, सोलह और छत्तीस की उम्र में अलग ढंग से व्यक्त हो सकता है। बचपन का बुध स्कूल और भाषा पर जोर दे सकता है; बड़े व्यक्ति का बुध काम के कागज, विश्लेषण और बातचीत से दिख सकता है। परिवार की परिस्थिति निर्णय की स्वतंत्रता भी बदलती है। किसी दौर का अर्थ लगाने से पहले उम्र देखें। जन्म भाव को वातावरण मानें और पूछें कि उस उम्र में कौन सी जिम्मेदारी संभव थी। इससे समयरेखा जीवन के सही आकार में रहती है और धीरे हुए विकास पहचानना आसान होता है। बड़े अध्याय में कई अनुभव हो सकते हैं; अंतर्दशा की पंक्तियाँ उन्हें अलग समझने में मदद करती हैं।

याद के ढंग से वर्तमान का उपयोगी चुनाव

कठिन दौर में मदद देने वाला सामान्य उत्तर खोजें। शायद आपने भूमिका स्पष्ट कराई, बेहतर लेखा रखा, खर्च सरल किया या कठिन विषय समझाने वाला शिक्षक पाया। उस उत्तर को संबंधित ग्रह और भाव के पास लिखें। मौजूदा क्रम में वैसी जिम्मेदारी आए तो उसी साधन से शुरुआत करें। सहयोगी दौर भी याद रखें: कौन सी तैयारी और किन लोगों ने अवसर उपयोगी बनाया। इससे पीछे का पाठ आपके जीवन से सीखी बातों का लेखा बनता है। इसे तारीख वाले संस्करण के साथ रखें और ठोस बदलाव होने पर नया अनुभव जोड़ें।

क्या ये आपके अनुभव से मिले?

क्या ये मिले? आगे के दौर करियर और काम, प्रेम और रिश्ते, धन और संपत्ति, विवाह और साझेदारी का समय तथा आपका आने वाला वर्ष में हैं। अपने सामने के असली प्रश्न से मेल वाला विषय चुनें। बाद के संस्करण मिलाने के लिए अतीत का यह सहेजा पाठ उपलब्ध रहेगा।

करियर और काम

आपका आने वाला वर्ष

शब्दार्थ • सरल अर्थ

लग्न

जन्म के समय पूर्व में उगती राशि।

महादशा

पारंपरिक दशा चक्र की मुख्य ग्रह अवधि।

अंतर्दशा

महादशा के भीतर छोटी ग्रह अवधि।

भाव

कुंडली के बारह विभागों में से एक, जिससे जीवन का एक क्षेत्र पढ़ा जाता है। इसे घोषित भाव पद्धति के अनुसार समझें।

स्वामी ग्रह

किसी राशि का परंपरागत स्वामी ग्रह। भाव में स्थित राशि का स्वामी उस भाव का स्वामी कहलाता है।

आत्मकारक

इस पुस्तक की सात-ग्रह पद्धति में जन्म राशि के भीतर सबसे अधिक अंश वाला पारंपरिक ग्रह। राहु और केतु इस चयन में शामिल नहीं हैं।

कारकांश

मूल D9 में आत्मकारक की राशि। यहाँ दी प्रार्थना-परंपरा की जाँच में इसे संदर्भ राशि लिया गया है।

इष्टदेवता

स्वैच्छिक व्यक्तिगत प्रार्थना का परंपरागत संकेत; यहाँ इसे कारकांश से बारहवीं राशि से पढ़ा गया है। इससे आपकी धार्मिक पहचान तय नहीं होती।

धर्मदेवता

उद्देश्य से जुड़ा प्रार्थना का परंपरागत संकेत। कारकांश से नौवीं राशि और जन्म लग्न से नौवीं राशि की जाँच अलग-अलग की जाती है।

कुलदेवता

परिवार की पहले से चली आ रही पूजा-परंपरा। इसे कुंडली के स्वैच्छिक सुझाव से पहले रखें; नाम या कुंडली से इसका अनुमान नहीं लगाया जाता।